दैनिक

फाईट अगैंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२३६ | मुंबई, शनिवार ०१ नवंबर २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

उम्मीदवारों के खर्च की सीमा को राज्य चुनाव आयोग ने कर दिया रिवाइज

मुंबईः राज्य चुनाव आयोग ने आने वाले लोकल बॉडी चुनावों के लिए उम्मीदवारों के खर्च की सीमा को रिवाइज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव खर्च की सीमा आठ साल के गैप के बाद रिवाइज की गई है। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि राज्य के तीन A-कैटेगरी के नगर निगमों - मुंबई, पुणे और नागपुर - में उम्मीदवारों का खर्च प्रति उम्मीदवार 15 लाख रुपये बढ़ा दिया गया है और B-कैटेगरी के नगर निगमों - पिंपरी चिंचवड़, नासिक और ठाणे - में हर उम्मीदवार के लिए 13 लाख रुपये बढ़ा दिया गया है।

बयान में कहा गया है कि कल्याण डोंबिवली, नवी मुंबई, छत्रपति संभाजी नगर और वसई विरार जैसे ए कैटेगरी के नगर निगमों के लिए यह सीमा 11 लाख रुपये और बाकी 19 D कैटेगरी की नगर पालिकाओं के लिए 9 लाख रुपये तय की गई है। कमीशन ने कहा, 'परिषद अध्यक्ष के सीधे चुनाव के लिए, क्लास A शहर परिषदों के लिए 15 लाख रुपये और सदस्यों के लिए 5 लाख रुपये की खर्च सीमा होगी।

क्लास B शहर परिषदों के लिए, परिषद अध्यक्ष के चुनाव के लिए 11.25 लाख रुपये और सदस्यों के लिए 3.5 लाख रुपये की खर्च सीमा होगी। परिषद अध्यक्ष के सीधे चुनाव के लिए, क्लास C शहर परिषदों में 7.5 लाख रुपये और सदस्यों के लिए 2.5 लाख रुपये की खर्च सीमा होगी।'

लापता हुई नाबालिग लड़की रीवा में बरामद

मुंबईः मुंबई से लापता हुई एक नाबालिग लड़की रीवा में बरामद हुई है। मामला तब सामने आया जब लड़की के परिजन उसकी तलाश में रीवा गए। एक पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि लड़की को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है, जबकि आरोपी युवक भागने में सफल रहा। सिविल लाइंस थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि मामला एफआरबी के माध्यम से पुलिस के संज्ञान में आया। नाबालिग लड़की मुंबई में रहती थी और उसके परिजनों ने मुंबई पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मुंबई पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। जांच में पता चला कि एक युवक लड़की को बहला-फुसलाकर रीवा ले गया था। लड़की के परिजन उसे लेने रीवा आए थे और वहीं उसे पाया। थाना प्रभारी ने बताया कि जब परिजनों ने लड़की को पकड़ा, तो आरोपी युवक मौके से भागने में सफल रहा।

किसानों के लिए बच्चू कडू का महा एल्गार आंदोलन सफलता या एक छलावा

लड़ाई आर-पार की थी, लेकिन सरकार ने दे दी तारीख

सईद शेख /सुनिल इंगोले

अमरावती। राज्य में किसान कर्जमाफी का मुद्दा एक बार फिर सियासत का केंद्र बना हुआ है। नागपुर में बच्चू कडू के नेतृत्व में हुए 'महा एल्गार आंदोलन' ने सरकार को झकझोर तो दिया, लेकिन अंत में जो नतीजा निकला – वह किसानों के लिए राहत से ज्यादा सवाल छोड़ गया। बच्चू कडू ने कर्जमाफी के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई छेड़ी थी। उन्होंने राज्यभर में दौरे किए, उपोषण किया, और फिर नागपुर में भारी भीड़ के साथ एल्गार आंदोलन खड़ा किया। शहर की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा, यातायात ठप रहा, और सरकार पर दबाव बढ़ा। लेकिन इसी बीच कोर्ट ने आंदोलन स्थल खाली करने के आदेश दिए। तब बच्चू कडू और ज्यादा आक्रामक हो गए – उन्होंने पुलिस को पत्र लिखकर कहा, 'हमें एक घंटे के भीतर गिरफ्तार करें, नहीं तो हम फिर से आंदोलन स्थल पर लौटेंगे।' सरकार पर दबाव बढ़ता गया। आखिर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बच्चू कडू को मुंबई में बैठक के लिए बुलाया। इस बैठक से जो फैसला निकला, उसने किसानों को आशा और आह दोनों दीं – सरकार ने 30 जून 2026 तक कर्जमाफी पूरी करने का आश्वासन दिया। बैठक के बाद बच्चू कडू ने कहा, 'हम तारीख के लिए आए थे, और सरकार ने तारीख दी है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने खुद कहा है कि 30 जून 2026 तक कर्जमाफी दी जाएगी। हम इससे संतुष्ट हैं।' लेकिन सवाल यह है कि क्या किसानों को इतनी बड़ी लड़ाई के बाद सिर्फ 'एक तारीख' ही मिलनी थी? अगर यही कहना था तो सरकार पहले ही स्पष्ट कर सकती थी। या बच्चू कडू सीधे अल्टीमेटम देकर भी तारीख ले सकते थे, तो फिर इतने तामझाम और आंदोलन की क्या ज़रूरत थी? आंदोलन में 'सातबारा कोरा होणारच' और 'कटेंगे लेकिन झुकेंगे नहीं' जैसे नारे गूंजे, पर आखिर में जो मिला – वह सिर्फ तारीख थी। तारीख पर तारीख का सिलसिला महाराष्ट्र के किसानों को अच्छी तरह पता है। इस बार भी सरकार ने अगले साल की तारीख देकर किसानों का गुस्सा फिलहाल शांत कर दिया है। राज्य में आने वाले पंचायत समिति, जिला परिषद और महानगरपालिका चुनाव अब शायद शांतिपूर्वक निकल जाएंगे। सरकार ने राजनीतिक रूप से बड़ा राहतभरा मोर्चा जीत लिया है – सिर्फ एक तारीख देकर। सवाल फिर वही – सरकार के वादे कब पूरे होंगे? क्योंकि वादा तो पहले भी था कि सत्ता में आते ही संपूर्ण कर्जमाफी दी जाएगी। वो हुआ नहीं, और आंदोलन खड़ा हुआ। अब फिर वही वादा– नई तारीख के साथ। यह आंदोलन की सफलता है या छलावा – यह आने वाला वक्त तय करेगा।

सीएम नीतीश का रिमोट कंट्रोल पीएम मोदी के पास, नागपुर से चल रही बिहार सरकार, राहुल गांधी का दावा

पटना, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गुरुवार को चुनाव प्रचार के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले में पहुंचे. यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने एक बार फिर से दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का रिमोट कंट्रोल पीएम नरेंद्र मोदी के पास है. उन्होंने कहा कि.नीतीश कुमार बिहार को नहीं चला रहे हैं. बल्कि यहां की सरकार दिल्ली की तरह नागपुर से चल रही है.

दिल्ली के एम्स में लगी रहती बिहार के लोगों की लंबी लाइन : राहुल गांधी

नालंदा में सीएम नीतीश के विकास के दावों पर हमला बोलते हुए राहल ने कहा कि नीतीश कुमार कहते हैं कि उन्होंने बिहार को बदल दिया है, लेकिन सच्चाई ये है कि बिहार में लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. दिल्ली के एम्स में बिहार के लोगों की लंबी लाइन लगी रहती है, जो यहां के अलग-अलग जिलों से वहां इलाज करवाने जाते हैं. उन लोगों का कहना होता है कि कोई बिहार के अस्पताल में इलाज करवाने जाता है, तो वह वापस नहीं आता है. यह बिहार का असली चेहरा है.

वहीं, पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए राहुल ने कहा कि यहां के युवा सपना देखते हैं और उन सपनों को पूरा करने के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी करते हैं, लेकिन परीक्षा के पहले ही पेपर लीक हो जाता है. कुछ खास लोगों को परीक्षा के पहले पेपर मिल जाते हैं. राहुल गांधी ने कहा कि जिस दिन महागठबंधन की सरकार बनेगी, उस दिन विश्व की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी यहां नालंदा में बनेगी. नालंदा पहले भी विश्वभर में शिक्षा का केंद्र था और एक बार फिर नालंदा शिक्षा और रोजगार का केंद्र बनेगा.

तेलंगाना सरकार में मंत्री बन गये क्रिकेटर अजहरुद्दीन

पटना/हैदराबादः कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को शपथ दिलाई। सूत्रों ने बताया था कि तेलंगाना की कांग्रेस यूनिट ने आलाकमान से अनुरोध किया था कि अजहरुद्दीन को मंत्री बनाया जाए क्योंकि इस समय राज्य मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यकों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। सूत्रों ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने अजहरुद्दीन के नाम को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल में शामिल होने के साथ पूर्व क्रिकेटर राज्य मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले पहले मंत्री बन गए हैं। कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए एआईसीसी ने संभवतः अजहरुद्दीन को मंत्रिमंडल में शामिल करने की इच्छा इसलिए दिखाई है क्योंकि वहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। बिहार विधानसभा चुनाव में 40 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर डिसाइडिंग फैक्टर हैं। इसके अलावा भी कई सीटें हैं, जहां मुस्लिम वोटर काफी अहम है। मोहम्मद अजरुद्दीन फेमस क्रिकेटर रहे हैं। भारत में उनकी काफी लोकप्रियता है। पार्टी इसका चुनावी फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। हैदराबाद बेस्ड असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम, बिहार के सीमांचल में मुस्लिम मतदाताओं के बीच काफी इम्पैक्ट दिखा रही है।

महायुति को मिलेगा आराम, संजय राऊत दो महिने नहीं कर सकते हैं कोई काम

शिवसेना नेता संजय राउत की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई, शिवसेना (UBT) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत की अचानक तबीयत बिगड़ने से पार्टी समर्थकों में चिंता की लहर फैल गई है। राउत ने खुद ट्वीट कर अपनी सेहत को लेकर जानकारी दी और समर्थकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लिखा, 'आप सभी ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया है और मुझे स्नेह दिया है, लेकिन अचानक मेरी तबीयत खराब हो गई है। इलाज जारी है, मैं जल्द ही स्वस्थ हो जाऊंगा।'

डॉक्टरों की सलाह पर राउत को बाहर जाने और भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहने को कहा गया है। अपने ट्वीट में उन्होंने आगे लिखा कि डॉक्टर की सलाह के बाद अब उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों और भीड़ से दूर रहना होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि मैं शीघ्र ठीक हो जाऊंगा और नए साल में आप सबसे फिर मुलाकात करूंगा। आपका स्नेह और आशीर्वाद हमेशा बना रहे।' उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

शिवसेना (UBT) के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राउत के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राउत का इलाज मुंबई के एक निजी अस्पताल में चल रहा है, हालांकि उनकी बीमारी का सटीक कारण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। महाराष्ट्र की राजनीति में राउत हमेशा अपनी बेबाक और मुखर आवाज के लिए जाने जाते हैं। जेल से रिहाई के बाद भी उन्होंने लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

विकास की नई ऊंचाइयां छूने को तैयार मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश अपनी स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है। सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं। प्रदेश के नागरिकों के लिए यह शुभ अवसर है। उत्साह और उल्लास के साथ यह अवसर प्रदेश की उपलब्धियों पर गर्व करने का है। आज उन सभी महान विभूतियों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना योगदान दिया।

आज हम इस बात को दृढ़ आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश अब पूरी तरह से बदल चुका है। अब और अधिक ऊंचाइयां तय करने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश के सामने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है। भारत के अमृतकाल में मध्यप्रदेश ने भी अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना सर्वोच्च लक्ष्य है। इसे हासिल करते हुए मध्यप्रदेश स्वयं भी पूर्ण रूप से विकसित राज्य बन जाएगा। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश आज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिये तैयार है। मध्यप्रदेश अपनी युवा शक्ति के साथ आर्थिक विकास को तेज गति से आगे ले जाने की क्षमता रखता है। मध्यप्रदेश की धरा पर हर जरूरी संसाधन है जो विकास के लिए आधार स्तंभ हैं। कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न, दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य में है। आधुनिक सिंचाई की आदर्श संरचनाएं स्थापित है। बिजली की भरपूर उपलब्धता है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार और पर्याप्त औद्योगिक निवेश है। उद्योगों के लिए 1.2 लाख एकड़ से ज्यादा लैंड-बैंक है। वर्तमान में 112 से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे हैं। साथ ही 14 ग्रीन फील्ड औद्योगिक स्थलों की भी पहचान की गई है। उद्योगों के लिए सबसे जरूरी आकर्षक नीतियां मध्यप्रदेश ने बनाई है, जिससे प्रदेश में व्यवसाय करना बहुत आसान हो गया है।

प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि के लिए मध्यप्रदेश विख्यात है। यहां की जमीन उपजाऊ है, जल संसाधनों की कमी नहीं है। भारत की सबसे बड़ी वन संपदा प्रदेश में उपलब्ध है। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है। वर्ष 2029 तक राज्य की जीएसडीपी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी समृद्ध हो।

संपूर्ण विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को आर्थिक विकास, भौतिक अधोसंरचना, सामाजिक अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास करने होंगे। इसके लिए इसी वर्ष चार प्रमुख मिशनों को लांच किया गया है। इसका उद्देश्य गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति को सशक्त बनाना है। यह चार मिशन मध्यप्रदेश 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आधार स्तंभ साबित होंगे।

मीरा-भायंदर में मेट्रो निर्माण स्थल पर लापरवाही, आग की घटना के बाद ठेकेदार पर ₹5 लाख का जुर्माना

MMRDA की कार्रवाई से नागरिकों ने जताया संतोष

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा भायंदरः मीरा भायंदर में मेट्रो लाइन-9 के निर्माण कार्य के दौरान एक बार फिर सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई है। गोल्डन नेस्ट सर्कल पर गुरुवार शाम निर्माणाधीन डेक स्लैब से वेल्डिंग की आग और पिघला हुआ पदार्थ नीचे सड़क पर गिरा, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नागरिकों में आक्रोश फैल गया था। मामला सामने आने पर एडवोकेट कृष्णा गुप्ता ने इस संबंध में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) से तत्काल कार्रवाई की मांग की। शिकायत के बाद MMRDA ने जे. कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड पर ₹5 लाख का जुर्माना लगाया है।

प्राधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि 30 अक्टूबर की शाम लगभग 5 बजे वेल्डिंग के दौरान उपयोग किया गया फोम आग की चपेट में आने से नीचे सड़क पर गिरा। जांच में पाया गया कि स्थल पर पर्याप्त बैरिकेडिंग नहीं थी, जिससे यह दुर्घटना घटी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एडवोकेट कृष्णा गुप्ता ने कहा कि, 'यह नागरिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। लगातार चेतावनी और पहले के हादसों के बावजूद ठेकेदार ने सुरक्षा नियमों की अवहेलना की। सोशल मीडिया और नागरिकों की सतर्कता के कारण ही यह कार्रवाई संभव हो पाई।' गौरतलब है कि सितंबर माह में भी इसी ठेकेदार कंपनी पर ऐसे ही सुरक्षा उल्लंघन के लिए ₹10 लाख का जुर्माना लगाया गया था, जब निर्माण स्थल से लोहे का जैक सड़क पर गिरा था। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि यह कार्रवाई 'सोशल मीडिया और नागरिक सक्रियता की जीत' है, जिसने मीरा भायंदर में मेट्रो परियोजनाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं और प्रशासन को जवाबदेह बनने के लिए मजबूर किया है।

मीरा-भायंदर मनपा आयुक्त कक्ष में दूषित पानी मिला, पूर्व महापौर ज्योत्स्ना हसनाळे का गंभीर आरोप

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा रोडः मीरा-भायंदर महानगरपालिका (MBMC) मुख्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब पूर्व महापौर ज्योत्स्ना हसनाळे ने आयुक्त कक्ष में पेयजल दूषित होने का गंभीर आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार, मनपा मुख्यालय में विभिन्न विषयों पर एक बैठक चल रही थी। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों और प्रतिनिधियों को पानी की बोतलें दी गईं। इसी बीच, जब पूर्व महापौर हसनाळे ने पानी पिया, तो उन्हें उसमें गंदगी और मटमैला रंग दिखाई दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। हसनाळे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जब आयुक्त के दालन में ही दूषित पानी मिल रहा है, तो आम नागरिकों तक साफ पानी कैसे पहुंचेगा?' उन्होंने इस प्रकरण की तत्काल जांच और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

गौरतलब है कि बीते माह मीरा गांवठण और उत्तन क्षेत्र में भी गंदा पानी आने की शिकायतें सामने आई थीं। कई इलाकों में कम दबाव और अस्वच्छ जल आपूर्ति को लेकर नागरिकों में नाराज़गी बनी हुई है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने कहा, 'मुझे इस घटना की अभी विस्तृत जानकारी नहीं है, लेकिन पूरी जांच कराई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।'

इस घटना के बाद नागरिकों और विपक्षी नेताओं ने मनपा प्रशासन पर लापरवाही और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की है।

बोईसर में ज्वेलरी की दुकान पर दिनदहाड़े फायरिंग

लुटेरे हथियार छोड़कर फरार; पुलिस ने बरामद कर जांच शुरू की

सय्यद एन.एच.करारवी

पालघरः पालघर जिले के बोईसर के गणेश नगर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब सशस्त्र बदमाशों के एक गिरोह ने चतुर्भुज ज्वेलर्स नामक दुकान में घुसकर दिनदहाड़े फायरिंग कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह लगभग 11:30 बजे हुई।

जानकारी के मुताबिक, दुचाकियों पर सवार चार अज्ञात बदमाश दुकान में घुसे और दुकानदार को डराने के लिए दो राउंड फायर किए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

'फायरिंग के बाद लुटेरे घबरा गए और मौके से भाग निकले। उन्होंने जल्दबाजी में अपना हथियार वहीं छोड़ दिया,' एक बोईसर पुलिस अधिकारी ने बताया। पुलिस ने मौके से एक रिवॉल्वर बरामद कर उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बदमाशों का इरादा दिनदहाड़े लूट की वारदात अंजाम देने का था, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर वे भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फायरिंग के बाद आरोपी अपनी दुचाकियों पर सवार होकर फरार हो गए।

'सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं,' अधिकारी ने आगे बताया। बोईसर पुलिस और स्थानीय गुन्हा शाखा (थ्ँ) की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने प्रशासन से व्यापारिक इलाकों में गश्त बढ़ाने की मांग की है, क्योंकि हाल के दिनों में पालघर क्षेत्र में लूटपाट और चोरी की घटनाओं में इजाफा हुआ है।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

अमरावती में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' - एक भारत, श्रेष्ठ भारत का गूंजा संदेश

अमरावती । लौह पुरुष और स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती आज पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह से मनाई जा रही है। इसी अवसर पर अमरावती शहर में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संदेश के साथ भव्य 'रन फॉर यूनिटी' (Run for Unity) का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन अमरावती पुलिस आयुक्तालय के सौजन्य से किया गया। सुबह 6:00 बजे पुलिस मुख्यालय से दौड़ का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी, प्रशासकीय अधिकारी, पुलिस कर्मचारी, पत्रकार, समाजसेवी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। दौड़ का मार्ग सुंदरलाल चौक - बियाणी चौक - गर्ल्स हाई स्कूल - इर्विन चौक - रेलवे स्टेशन - बस स्टैंड होते हुए पुनः पुलिस मुख्यालय तक रहा। देशभक्ति के नारों और सरदार पटेल अमर रहें के जयघोष से शहर की सड़कें गूंज उठीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश में एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश देना रहा। अमरावती पुलिस आयुक्तालय ने नागरिकों से अपील की कि वे सरदार पटेल के दिखाए मार्ग पर चलकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करें। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित नागरिकों ने कहा – 'सरदार पटेल ने जिस अखंड भारत का स्वप्न देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी आज हम सबकी है।'

स्वरा ने तोड़ी चुप्पी

एक लंबे ब्रेक के बाद स्वरा भास्कर ने शो पति, पत्नी और पंगा से काम पर वापसी की है। उन्होंने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने ऐसा प्रोजेक्ट चुना जिसे वह अपने नए रोल के साथ मैनेज कर सकें। स्वरा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उनकी ट्विटर पर इमेज खराब है, इसलिए असल जिंदगी में उन्हें ज्यादा विनम्र रहना पड़ता है। उन्होंने माना कि एक आउटसाइडर होने के कारण अच्छे ऑफर्स हमेशा नहीं मिलते, लेकिन वे वही काम चुनती हैं जो उन्हें सही लगता है। एक्ट्रेस ने कहा कि आत्मविश्वासी महिलाओं से लोग अक्सर असहज होते हैं और उन्हें अपने बेबाक विचारों की कीमत चुकानी पड़ी है।

फहद अहमद के साथ अपनी इंटरफेथ शादी पर उन्होंने कहा कि 'फहद के लिए काफी मुश्किल है क्योंकि मेरी पहले से अच्छी रेपुटेशन थी। पॉलिटिशियन्स के लिए आसान नहीं है ऐसी पत्नी होना जो काफी नॉइजी हो या अटेंशन अट्रैक्ट करती हैं।

सूर्यकुमार यादव की फौज, आस्ट्रेलिया के सामने दूसरे टी-20 मैच में बुरी तरह से हारी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज़ का दूसरा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड मेलबर्न में आज खेला जा रहा है। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। परिणामस्वरूप, भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। भारतीय टीम की बागडोर सूर्यकुमार यादव संभाल रहे हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी मिचेल मार्श के कंधों पर है। यह मैच दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सीरीज का पहला टी20 मुकाबला कैनबरा में बारिश के चलते धुल गया था और बेनतीजा रहा था। ऑस्ट्रेलिया को जीतने के लिए 126 रनों का लक्ष्य

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को 18 ओवर और 4 गेंद में केवल 125 रनों पर ऑल आउट कर दिया। भारतीय टीम के 9 बल्लेबाज दहाई अंकों में नहीं जा सके, जबकि आखिरी के 3 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। इस पारी में अभिषेक शर्मा ने 37 गेंदों पर 68 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए, जबकि हर्षित राणा दहाई अंकों में पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज थे। उन्होंने 33 गेंदों पर 35 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने भी तीन चौके और एक छक्के लगाए। इसके अलावा तिलक वर्मा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी खाता भी नहीं खोल पाए। वहीं शुभमन गिल 5, संजू सैमसन 2, सूर्यकुमार

यादव 1, अक्षर पटेल 7 और शिवम दुबे मात्र 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए। इस तरह से टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को जीतने के लिए 126 रनों का लक्ष्य दिया है।

17वें ओवर समाप्त : 8 विकेट पर 110 रन

लगातार गिर रहे विकेट के बीच कुलदीप यादव भी बिना खाता खोलें आउट हो गए। उन्होंने चार गेंद का सामना किया और कोई भी रन नहीं बना पाए। भारतीय टीम ने 17वें ओवर की समाप्ति पर 8 विकेट खोकर 110 रन ही बना सकी है।

मुंबई एनकाउंटर की गूंज में छिपा एक सवाल – क्या रोहित गुनहगार था या व्यवस्था का शिकार?

जब शासन सोता रहा, तब रोहित टूटता रहा – और अंत में बोलीं सिर्फ गोलियां

सुनिल इंगोले

मुंबई के पवई इलाके में गुरुवार को जो कुछ हुआ, वह सिर्फ़ एक पुलिस एनकाउंटर नहीं था – वह एक ऐसे इंसान का अंत

था, जिसने व्यवस्था से टकराने की हिम्मत की और अंत में उसी व्यवस्था ने उसे निगल लिया। रोहित आर्य नाम का यह युवक किसी अपराध की दुनिया से नहीं, बल्कि समाज सुधार के सपनों की दुनिया से आया था। वह वही शख्स था, जिसे कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'माझी शाळा, सुंदर शाळा' अभियान में किए काम के लिए सराहा था। उसकी योजना को राज्य के शिक्षामंत्री दीपक केसरकर ने भी प्रोत्साहन दिया था। मगर, वही व्यक्ति कुछ सालों बाद मंत्रालय के दरवाज़ों पर ठोकरें खा रहा था – अपने हक़ की रक़म और अपने नाम के श्रेय की भीख मांगता हुआ। उसकी कहानी किसी सरकारी फाइल में अटकी हुई एक ज़िंदगी की कहानी है – एक ऐसा संघर्ष जो आदर्शों से शुरू हुआ और अपमान पर खत्म। उसने शिक्षा विभाग में बच्चों की स्वच्छता और स्कूल विकास की एक बड़ी परियोजना चलाई। उसका दावा था कि योजना की सोच, मेहनत और क्रियान्वयन सब कुछ उसका था, मगर भुगतान किसी और को कर दिया गया। महीनों तक उसने दरवाज़े खटखटाए, पत्र लिखे, उपोषण किया, मगर सिस्टम ने हर बार उसे ठुकराया। पुलिस के अनुसार, गुरुवार (30, अक्टूबर) दोपहर उसने फिल्म ऑडिशन के बहाने 17 बच्चों और दो नागरिकों को बंधक बना लिया। पुलिस कमांडो ने एक घंटे की कार्रवाई में सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। रोहित को गोली लगी – और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लेकिन उसकी मौत से पहले जो पत्र उसने लिखे, उन्होंने पूरी घटना की आत्मा खोल दी। वो पत्र पढ़कर लगता है जैसे हर शब्द किसी गहरी पीड़ा से लिखा गया हो। हर वाक्य एक सवाल बनकर उठता है – आखिर व्यवस्था इतनी पत्थर कैसे हो गई कि एक शिक्षण परियोजना से शुरू हुआ युवक, अंत में गोलियों से खत्म हुआ? यह कहानी सिर्फ़ पवई की नहीं, बल्कि उस हर रोहित आर्य की है जो व्यवस्था के भीतर गुमनाम मर रहा है - अपनी मेहनत का हक़ मांगते-मांगते, अपने सपनों का अर्थ खोजते-खोजते। यह घटना किसी अपराधी की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान की पुकार है जो आखरिी सांस तक न्याय माँगता रहा। और जब उसे न्याय नहीं मिला - उसने बस इतना कहा, 'अब ये खामोशी ही मेरा जवाब है।'

फ्रस्ट्रेशन की कहानी – रोहित के पत्रों की जुबानी

'मैंने सोचा था, बच्चों के लिए कुछ कर दिखाऊँगा। मैंने अपनी कमाई, अपनी सोच, अपना सब कुछ इस अभियान में झोंक दिया। पर जब काम पूरा हुआ, पैसे किसी और को मिले। तीन महीने उपोषण किया, मगर जवाब किसी ने नहीं दिया। सिर्फ़ एक निजी चेक मिला – जैसे दया नहीं, दंश मिला हो। अब न अपमान खत्म होता है, न अन्याय। अगर न्याय माँगना गुनाह है, तो हाँ – मैं गुनहगार हूँ।'

हजरत मां बाबाजान दरगाह का जीर्णोद्धार पूर्ण, श्रद्धा और उत्साह के माहौल में हुआ पुनः उद्घाटन

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे शहर की पहचान जहां एक ओर आईटी और शिक्षा से जुड़ी है, वहीं इसकी आध्यात्मिक विरासत भी उतनी ही समृद्ध है। इसी विरासत का अहम हिस्सा – हजरत मां बाबाजान दरगाह – का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो चुका है। धार्मिक वातावरण में श्रद्धालुओं के जयकारों के बीच दरगाह का गुंबद खोला गया और परिसर में श्रद्धा का माहौल छा गया। बताया जाता है कि हजरत मां बाबाजान 19वीं सदी की एक प्रसिद्ध सूफी संत थीं, जिन्हें मानवता, प्रेम और एकता का प्रतीक माना जाता है। पुणे कैंप क्षेत्र में स्थित यह दरगाह हर धर्म और मज़हब के लोगों के लिए आस्था का केंद्र है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु अपनी मन्नतें लेकर पहुंचते हैं। दरगाह

के जीर्णोद्धार के बाद उर्स के अवसर पर इसका पुनः उद्घाटन किया गया। इस मौके पर विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के राष्ट्रीय महासचिव एवं अल्पसंख्यक विकास बोर्ड, पुणे जिला अध्यक्ष एडवोकेट शेर अली शेख ने उपस्थित होकर दरगाह में श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सलीमभाई पटेल, फैज़भाई शेख, हजरत बाबाजान दरगाह ट्रस्ट एवं बज़्मे इस्लाह सामाजिक कल्याण समिति के सदस्य, स्थानीय नागरिक और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। दरगाह परिसर में नात, कव्वाली और सामूहिक दुआओं का आयोजन किया गया, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिकता और शांति से भर गया। हजरत मां बाबाजान दरगाह आज भी पुणे में अमन, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश दे रही है –

और यही इस शहर की सबसे बड़ी ताकत है।

मिशन शक्ति ५.० अभियानः जनपद बहराइच में पुलिस की सक्रिय पहल, महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा व अधिकारों के प्रति किया जागरूक

संवाददाता फरियाद अली

बहराइच। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति ५.० अभियान के तहत जनपद बहराइच में पुलिस टीमों ने व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। थाना रिसिया, जरवल रोड, खैरीघाट, हुजूरपुर, को० नानपारा, कैसरगंज, मटेरा, मोतीपुर, रामगांव, दरगाह शरीफ, कोतवाली देहात/नगर

सहित जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीम ने भ्रमण कर चौपालें लगाईं और महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा, अधिकार व सरकारी योजनाओं से अवगत कराया। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए टीमों ने ग्रामीण महिलाओं और छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं का संज्ञान लिया तथा नारी सम्मान की रक्षा हेतु आवश्यक कानूनी सहायता, हेल्पलाइन नंबर व पुलिस सहायता तंत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

महिलाओं को बताए गए प्रमुख हेल्पलाइन नंबर

१०९०, १०९८, १०७६, ११२, १८१, १०८ – महिला व आपातकालीन सहायता

१९३० – साइबर ठगी व ऑनलाइन अपराध शिकायत

इसके साथ ही मानव तस्करी एवं बाल तस्करी से जुड़ी अवैध गतिविधियों से बचाव, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना त्वरित देने तथा आत्म-रक्षा के सरल और प्रभावी तरीकों की जानकारी भी दी गई। सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, सहायता केंद्रों व महिलाओं के अधिकारों पर भी सहभागी महिलाओं को विस्तृत परामर्श प्रदान किया गया। प्रदेश सरकार व बहराइच पुलिस का यह प्रयास महिला सुरक्षा को मजबूत करने और समाज में भयमुक्त वातावरण स्थापित करने की दिशा में सराहनीय कदम माना जा रहा है। अभियान का उद्देश्य है कि जिले की हर महिला व बालिका सशक्त, सुरक्षित और जागरूक बने।

सिंधी समाज की भावनाएं आहत – बडनेरा में आरोपी के खिलाफ एफआईआर की मांग!

अमरावती। छत्तीसगढ़ में एक व्यक्ति द्वारा सिंधी समाज के प्रति दिए गए अपमानजनक और भड़काऊ बयान ने देशभर में आक्रोश फैला दिया है। उक्त बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे सिंधी समाज की धार्मिक और सामाजिक भावनाएं गहराई से आहत हुई हैं। इस मामले को लेकर सिंधी समाज बडनेरा समिति की ओर से शुक्रवार को थाना बडनेरा में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में आरोपी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 153ँ), 295ँ), 500 और 505(2) के तहत कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट कहा कि – 'सिंधी समाज सदैव शांति, एकता और राष्ट्रहित में कार्य करता आया है, लेकिन किसी भी समुदाय के प्रति अपमानजनक शब्दों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे भड़काऊ बयानों पर तुरंत संज्ञान लिया जाए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और प्रतिनिधि संत राम बाबा, धर्मदास अंदानी, घनश्यामदास आवतरामानी, हरीश प्रथानी, विनय मोटवानी, नरेश धामाई, राजकुमार आहूजा, तीरथ केसवानी, नंदलाल धामाई, दीपक मोटवानी, नरेश दुल्हानी, अमर बिल्दानी, मयूर हेमनानी, मोहित सिरवानी, यश अंदानी, हेमनदास मंगवानी और जीतू मोटवानी उपस्थित थे।

मीरा-भाईंदर में 'संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन' का लोकार्पण

इंदुरीकर महाराज के कीर्तन से गूंजा शहर

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर के आध्यात्मिक इतिहास में शुक्रवार का दिन यादगार बन गया, जब शहर में भव्य 'संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन' का लोकार्पण संतप्रवचक ह.भ.प. निवृत्ती महाराज देशमुख उर्फ इंदुरीकर महाराज की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ।

करीब ₹2 करोड़ की लागत से निर्मित यह दो मंजिला भवन वारकरी संप्रदाय की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करता है। उद्घाटन समारोह में हजारों वारकरी भक्त, भजन मंडल और कीर्तनप्रेमी शामिल हुए। संपूर्ण नाट्यगृह 'विठ्ठल-विठ्ठल' के गजर, टाळ-मृदंग और भक्तिगीतों से गुंजायमान हो उठा।

इंदुरीकर महाराज के समाजप्रबोधन पर कीर्तन ने समारोह का मुख्य आकर्षण बनते हुए श्रोताओं को भक्ति, संस्कार और संतपरंपरेचा संदेश दिलाया।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री तथा मीरा-भायंदर के आमदार प्रताप सरनाईक भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, 'वारकरी भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि संत परंपरा और समाजप्रबोधन का केंद्र है। यह मीरा-भायंदर के

आध्यात्मिक विकास का नया अध्याय बनेगा।'

'संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन' में भजन, कीर्तन, प्रवचन, संत साहित्य अध्ययन और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए आधुनिक सभागृह की व्यवस्था की गई है। भवन से भविष्य में नवयुवक कीर्तनकारों और वारकरी तरुणाई को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने की अपेक्षा जताई जा रही है।

'सभी से चर्चा के बाद ही गठबंधन पर निर्णय लेंगे': मंत्री अदिति तटकरे

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा-भायंदरः आगामी चुनाव में गठबंधन को लेकर निर्णय सभी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से चर्चा के बाद ही लिया जाएगा,' यह कहना है महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे का। वह गुरुवार रात मीरा-भायंदर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) के नए केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रही थीं।

रसाज़ सिनेमा के पास स्थित यह नया कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं की उत्साही उपस्थिति में उद्घाटित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद व प्रदेश महासचिव आनंद परांजपे, प्रदेश महासचिव अनु पाटिल, जिलाध्यक्ष प्रमोद कांबले, महिला जिलाध्यक्ष ममता मोराइस, और युवा जिलाध्यक्ष जककी पटेल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

अपने भाषण में मंत्री तटकरे ने कहा कि, 'मीरा-भायंदर एक समय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का मज़बूत गढ़ था। यहाँ हमारे विधायक, महापौर, उपमहापौर और सशक्त संगठनात्मक ढांचा मौजूद था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विचारधारा सभी धर्मों और समाज के लोगों को साथ लेकर चलने की है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी भले ही महायुति गठबंधन का हिस्सा हो, लेकिन उसने अपनी मूल विचारधारा से कोई समझौता नहीं किया है। 'गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई पहली बैठक में ही उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने साफ़ कहा था कि एनसीपी अपनी समानता और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा से कोई समझौता नहीं करेगी,' तटकरे ने कहा।

महिला कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 'लाडकी बहिन योजना' से महाराष्ट्र की 2.5 करोड़ से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। 'विपक्ष ने आरोप लगाया था कि यह योजना बंद कर दी जाएगी, लेकिन उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार ने महिलाओं के कल्याण के लिए ₹46,000 करोड़ का वार्षिक प्रावधान सुनिश्चित किया है,' उन्होंने बताया।

जिलाध्यक्ष प्रमोद कांबले ने कहा कि नया कार्यालय केवल चुनावी गतिविधियों के लिए नहीं, बल्कि जनसेवा और सामाजिक कार्यों का केंद्र बनेगा।

'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी फिर से मैदान में है – जनता के लिए और मीरा-भायंदर के उज्ज्वल भविष्य के लिए,' कांबले ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया।

नांदगांव खंडेश्वर में नाफेड केंद्र पर किसानों की भीड़, प्रशासन की तैयारी बेहाल!

विशाल गवई

नांदगांव खंडेश्वर में नाफेड द्वारा हंगाम 2025-26 के लिए सोयाबीन की खरीद हेतु किसानों की ऑनलाइन नोंदणी प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हुई। जैसे ही नोंदणी शुरू हुई, स्थानीय खरीद-विक्रय संस्था कार्यालय पर किसानों की जबरदस्त भीड़ उमड़ पड़ी। सरकारी

हमी दर 5328 रुपये प्रति क्विंटल पर सोयाबीन बेचने के लिए किसान सातबारा, बैंक पासबुक, आधार और फार्मर आईडी लेकर पहुंचे, लेकिन व्यवस्थापन पूरी तरह अस्तव्यस्त रहा। किसानों का कहना है कि ऑनलाइन प्रक्रिया धीमी होने से घंटों तक लाइन में खड़े रहना पड़ा। वहीं खरीद-विक्रय संस्था के प्रबंधक अमोल खंडार ने बताया कि नोंदणी कार्यालयीन समय में की जा रही है, और जिस नाम से आवेदन है, उस व्यक्ति की उपस्थिति आवश्यक है। लेकिन बढ़ती भीड़ और तकनीकी अड़चनों से प्रशासन का नियोजन शून्य नजर आया।

वकिलों पर बढ़ते हमले के खिलाफ राज्यव्यापी हड़ताल – 3 नवंबर को न्यायालयों में खामोशी!

अमरावती। पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र राज्य में वकीलों पर हमलों की घटनाएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। अदालतों के भीतर और बाहर, कई वकीलों को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं, तो कई मामलों में शारीरिक हमले भी हुए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कुछ वकीलों ने इन घटनाओं में अपनी जान भी गंवाई है। इन हमलों से वकील समुदाय में तीव्र रोष व्याप्त है। इसी पार्श्वभूमि पर बार कौन्सिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा, दादर नगर हवेली, दीव और दमन बार कौन्सिल की एक संयुक्त बैठक 29 अक्तूबर को आयोजित की गई। इस बैठक में बढ़ती घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके तहत 3 नवंबर को राज्यभर के वकील एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल की मांग को लेकर न्यायालयीन कार्य से पूर्णतः दूर रहेंगे। बार कौन्सिल ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि, 'वकील समाज न्यायव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। यदि उन पर ही हमले होने लगे, तो न्याय की प्रक्रिया असुरक्षित हो जाएगी।' परिषद ने राज्य सरकार से मांग की है कि वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पारित किया जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले कई बार एसोसिएशनों ने वकीलों पर हो रहे हमलों के खिलाफ निषेध प्रस्ताव पारित किए हैं और एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल का मसौदा राज्य के एडवोकेट जनरल को सौंपा जा चुका है। बावजूद इसके, सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हाल ही में अहमदनगर जिले के शेवगांव तहसील में हुई घटना ने इस आंदोलन को और बल दिया। वहां एक वकील पर मुकदमे की जिरह के दौरान पूछे गए सवालों पर नाराज होकर आरोपी पक्ष ने जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना ने पूरे राज्य के वकील समाज को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना और लगातार हो रहे हमलों के विरोध में बार कौन्सिल ने 3 नवंबर को एकदिवसीय राज्यव्यापी न्यायालय बहिष्कार आंदोलन का निर्णय लिया है। इस दौरान किसी भी अदालत में वकील पेशी नहीं देंगे और सरकार से बिल के त्वरित पारित होने की मांग करेंगे। वकील संगठनों का कहना है कि यदि सरकार ने अब भी वकीलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

सांसद अमोल कोल्हे ने रोहित आर्या के लिए सरकार को ठहराया जिम्मेदार

कहा, 'उनके सवालों का जवाब दें...'

मुन्ना मुजावर

पिंपरी-चिंचवड़ः सरकार ने किसानों की कर्जमाफी को लागू करने के लिए जून में तारीख की घोषणा की है। सांसद अमोल कोल्हे ने अपनी राय व्यक्त की है कि इस फैसले के पीछे सरकार के कुछ और इरादे हो सकते हैं। साथ ही, कोल्हे ने रोहित आर्य को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की है और सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया है। वह पिंपरी-चिंचवड़ में मीडिया से बात कर रहे थे। रोहित आर्य के बारे में सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि उनके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है। हालाँकि, वह कुछ सवालों के जवाब चाहते हैं। अगर एक आम आदमी को इन सवालों के

जवाब पाने के लिए इस तरह के कदम उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, तो सरकार की ज़िम्मेदारी है कि वह उसे ऐसा करने से रोके। रोहित आर्य के सवालों का समाधान ज़रूरी था और सरकार को उन्हें जवाब देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह सरकार का कर्तव्य था।

उन्होंने आगे कहा कि किसानों की माँगें जून तक पूरी कर दी जाएँगी, तब तक स्थानीय निकाय चुनाव हो जाएँगे। उन्होंने सरकार की असली मंशा पर संदेह जताया और ज़ोर देकर कहा कि किसानों को तुरंत मदद मिलनी चाहिए, क्योंकि वे वास्तव में मुश्किल में हैं। सरकार को दृढ़ संकल्प दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकोला ज़िले में प्रधानमंत्री फसल योजना के होर्डिंग लगाए जा रहे हैं; लेकिन वहाँ कुछ किसानों को फसल बीमा के रूप में केवल 1.25 रुपये या 5 रुपये ही मिल रहे हैं, जो किसानों का मज़ाक है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि केंद्र और राज्य सरकारों को इसकी नैतिक ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए।

विमाननगर क्षेत्र में युवक पर हथियार से हमला, वाहनों में तोड़फोड़; गिरोह के खिलाफ अपराध

मुन्ना मुजावर

पुणेः विमाननगर क्षेत्र के खेसे पार्क इलाके में दहशत फैलाने के लिए नाबालिगों ने एक दोपहिया वाहन सवार युवक पर हथियार से हमला कर दिया। इस गिरोह ने तीन रिक्शा और चार-पाँच दोपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की। इस संबंध में गिरोह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता युवक 29 अक्टूबर की रात लगभग 11:15 बजे अपने भाई के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। लोहेगाँव क्षेत्र के खेसे पार्क के पास एक गिरोह ने उसे रोका और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। इसके बाद गिरोह ने युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उन्होंने इलाके में तीन रिक्शा के शीशे तोड़ दिए और इलाके की एक सोसायटी के परिसर में खड़े पाँच दोपहिया वाहनों में भी तोड़फोड़ की। तोड़फोड़ की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची। सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष शिंदे मामले की जाँच कर रहे हैं। वानावाड़ी क्षेत्र के शिंदे वस्ती इलाके में एक गिरोह द्वारा वाहनों में तोड़फोड़ की घटना 28 अक्टूबर को हुई। गिरोह ने एक युवक पर हथियार से हमला किया। पिछले कुछ महीनों में शहर में गिरोहों के आतंक की घटनाओं में वृद्धि हुई है। मामूली विवादों के कारण वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। नागरिकों ने तोड़फोड़ करने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. संपदा मुंडे की मौत पर पुणे में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन; भाजपा के खिलाफ क्या नारे लगाए गए?

मुन्ना मुजावर

पुणेः सतारा ज़िले में डॉ. संपदा मुंडे की मौत के मामले में शुक्रवार को पुणे शहर जिला कांग्रेस कमेटी,

डॉक्टर्स सेल और कांग्रेस महिला गठबंधन की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया।

डॉ. संपदा मुंडे के लिए तत्काल न्याय और भ्रष्ट भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर लालमहल में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान भाजपा शासन में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 'राज्य में सत्ताधारियों द्वारा महिलाओं पर अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। फिर भी, सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।' शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा, 'बंगाल में एक डॉक्टर की हत्या के बाद भाजपा ने पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया; लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेता डॉ. संपदा मुंडे की मौत पर चुप हैं। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोपियों को क्लीन चिट देकर अन्याय किया है। हम इस अन्याय के खिलाफ डटे रहेंगे।'

डॉक्टर्स सेल के डॉ. राहुल सावंत ने कहा, 'डॉ. संपदा मुंडे ईमानदारी से काम कर रही थीं, लेकिन सरकारी अधिकारियों ने उन पर दबाव डाला। मामले की गहन जाँच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए, वरना चिकित्सा पेशे में कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

कांग्रेस महिला मोर्चा की प्राची दुधाने ने आरोप लगाया, 'मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने इस मामले को दबाने की साजिश रची है।' महिला आयोग की अध्यक्ष चाकणकर ने पीड़िता के चरित्र पर सवाल उठाकर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील रुख अपनाया है। साथ ही उन्हें तुरंत पद से हटाने की भी माँग की गई।

'डॉ. संपदा मुंडे को न्याय मिलना चाहिए,' 'भाजपा सरकार धिक्कार है,' जैसे नारे लाल महल इलाके में गूंज रहे थे। इस समय, राज्य सरकार को इस अपराध की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल नियुक्त करना चाहिए; और यह भी माँग करनी चाहिए कि इसकी जाँच अन्य जाँच विभागों से कराई जाए और फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाए। कांग्रेस शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में एडवोकेट अभय छाजेड़, लता राजगुरु, प्राची दुधाने, मेहबूब नदाफ, डॉ. सुलक्षणा जगताप, डॉ. स्नेहल पाडले, अर्चना शाह, स्वाति शिंदे, राजश्री अडसुल, अंजलि सोलापुरे, गुलाम हुसैन खान, राजेंद्र भुटाडा, अक्षय माने, रमेश सोनकांबले सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बीड में दुस्साहसिक डकैती! केनरा बैंक से 18 लाख रुपये की लूट

मुन्ना मुजावर

बीडः बीड जिले में एक राष्ट्रीयकृत बैंक में गुरुवार सुबह हुई दुस्साहसिक चोरी से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बीड शहर के पास पाली स्थित केनरा बैंक की शाखा में अज्ञात चोरों ने दीवार तोड़कर प्रवेश किया और गैस कटर की मदद से लॉकर तोड़कर करीब 18 लाख रुपये की नकदी लूट ली। जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार आधी रात के बाद की है। चोरों ने सबसे पहले बैंक की पिछली दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने बैंक के सायरन और अन्य सुरक्षा प्रणालियों के तार काट दिए, ताकि चोरी की सूचना बाहर न जा सके। चोरों ने बैंक में लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी चुरा लिया, ताकि उनके अपराध का कोई सबूत न बचे। गैस कटर से लॉकर तोड़ने के बाद वे नकदी लेकर फरार हो गए।

सुबह खुलासा, पुलिस दौड़ी मौके पर

गुरुवार सुबह जब बैंक के कर्मचारी शाखा में पहुंचे तो दीवार में बने छेद और टूटे हुए लॉकर देखकर दंग रह गए। तुरंत बीड ग्रामीण पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अधिकारियों ने डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट के साथ मौके पर पहुँचकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। मौके से चोरों द्वारा इस्तेमाल किए गए औजार और पैरों के निशान भी बरामद किए गए हैं।

राष्ट्रीयकृत बैंक में दीवार तोड़कर हुई इस चोरी से नागरिकों और व्यापारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध वाहनों और कॉल रिकॉर्ड के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चोरों ने इस वारदात को बेहद योजनाबद्ध तरीके से और आधुनिक उपकरणों की मदद से अंजाम दिया। अपराधियों की तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं।

धनकवाड़ी इलाके में बुजुर्ग महिला मृत मिली; चोरी के लिए हत्या का संदेह

मुन्ना मुजावर

पुणेः धनकवाड़ी स्थित शंकर महाराज कॉलोनी के एक घर में शुक्रवार को 75 वर्षीय एक महिला मृत पाई गई। घर में रखे महिला के 20,000 से 25,000 रुपये के गहने और नकदी चोरी हो गई थी, और पुलिस ने संदेह जताया है कि बुजुर्ग महिला की हत्या की गई है। सहकारनगर पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

मृत पाई गई महिला की पहचान कुसुम पन्हाले (उम्र 75, निवासी शंकर महाराज कॉलोनी, धनकवाड़ी, पुणे-सतारा रोड) के रूप में हुई है। सहकारनगर पुलिस स्टेशन में घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई है। शुक्रवार (31 अक्टूबर) सुबह, निवासियों ने पुलिस को सूचना दी कि कुसुम पन्हाले अपने घर में बेहोश हो गई हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद, पुलिस ने उन्हें तुरंत ससून अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। सहकारनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विट्ठल पवार ने बताया कि पन्हाले के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उनकी मौत के कारणों का पता चलेगा। पन्हेले की विवाहित बेटी धनकवड़ी के बालाजीनगर इलाके में रहती है। घटना की जानकारी उसकी बेटी को दी गई। उसकी बेटी शंकर महाराज कॉलोनी स्थित घर आई। उसने घर का मुआयना किया। उसने बताया कि घर में रखे 20 से 25 हजार रुपये चोरी हो गए हैं। बेटी ने पुलिस को यह भी बताया कि उसकी माँ के पहने हुए चार तोले के गहने भी चोरी हो गए हैं। शुरुआती जाँच में पुलिस ने आशंका जताई है कि चोरी के इरादे से बुजुर्ग महिला की हत्या की गई है। पुलिस ने आशंका जताई है कि चोर कोई परिचित ही है। पुलिस निरीक्षक विट्ठल पवार के मार्गदर्शन में जाँच की जा रही है।

ठाकरे समूह ने महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया; पुणे में कार्यालय के बाहर मौखिक बहस

मुन्ना मुजावर

पुणेः फलटण की एक महिला डॉक्टर ने पिछले हफ़्ते आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में एक पुलिस अधिकारी और एक मकान मालिक को गिरफ़्तार किया गया है। इसके बाद, विपक्षी दल ने महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय और अत्याचार के लिए सत्ताधारी दल की आलोचना शुरू कर दी। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान, महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने फलटण के अस्पताल का दौरा किया और पुलिस अधिकारी व डॉक्टर से मामले की जानकारी ली। इसके बाद, रूपाली चाकणकर ने पूरे मामले की जानकारी मीडिया को दी। लेकिन उस समय, पुणे में ठाकरे गुट की नेता रेखा कोंडे ने रूपाली चाकणकर पर आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर का अपमान करने का आरोप लगाया है। इसी पृष्ठभूमि में, आज ठाकरे गुट की नेता रेखा कोंडे के नेतृत्व में पुणे के धायरी इलाके में महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान, रूपाली चाकणकर के समर्थन में आईं महिलाओं और ठाकरे गुट की महिलाओं के बीच तीखी बहस हुई।

इस समय, रेखा कोंडे ने कहा, राज्य के कई हिस्सों में महिलाओं और लड़कियों के साथ अन्याय और अत्याचार हो रहे हैं। यह महायुति सरकार इन घटनाओं को रोकने में विफल रही है। इस बीच, अजीत पवार समूह की रूपाली चाकणकर महिला आयोग की अध्यक्ष पद पर हैं। हालांकि, वह अब तक महिलाओं की समस्याओं को हल करने में विफल रही हैं। इसके कई उदाहरण हैं। साथ ही, कुछ दिनों पहले, फलटण की एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली थी। रूपाली चाकणकर ने उस महिला के बारे में एक विवादास्पद बयान दिया था। हम इस मांग के लिए विरोध कर रहे हैं कि रूपाली चाकणकर उस बयान के संबंध में इस्तीफा दें। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को इस विरोध पर ध्यान देना चाहिए और रूपाली चाकणकर के इस्तीफे की मांग करनी चाहिए, अन्यथा हम भविष्य में अधिक तीव्र विरोध करेंगे, उन्होंने इस समय चेतावनी दी।

नीलेश घायवाल केस में नया मोड़ः पुणे पुलिस ने माता-पिता को भेजा नोटिस, लंदन में गिरफ्तारी की तैयारी शुरू!

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे का कुख्यात गैंगस्टर नीलेश घायवाल अब पुलिस के शिकंजे में फंसता दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, नीलेश इस वक्त लंदन में है और उसके पास 6 फरवरी 2026 तक का वैध यूके वीज़ा है। यूके उच्चायोग ने पुणे पुलिस को सूचित किया है कि घायवाल लंदन में है क्योंकि उसका बेटा वहीं पढ़ाई कर रहा है।

पुलिस की कार्रवाईः पुणे पुलिस ने अब नीलेश घायवाल के माता-पिता को नोटिस भेजा है। इस नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे अपने बेटे को पुलिस पूछताछ के लिए पेश करें, अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, नीलेश घायवाल के खिलाफ कई गंभीर अपराध दर्ज हैं और जांच के लिए उसकी उपस्थिति जरूरी है।

लंदन में गिरफ्तारी की तैयारीः इस बीच, पुणे पुलिस ने ब्रिटेन के उच्चायोग को पत्र लिखकर नीलेश घायवाल को ढूंढकर हिरासत में लेने की मांग की है। दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर पत्राचार जारी है। यूके उच्चायोग ने पुलिस के पत्र का जवाब भी भेजा है। अब सवाल यह उठ रहा है कि –

क्या नीलेश घायवाल को लंदन में गिरफ्तार किया जाएगा?

घायवाल की मां का बयान

नीलेश घायवाल की मां ने मीडिया से कहा,

'मेरा बेटा भागा नहीं है, मैं खुद उसे एयरपोर्ट छोड़ने गई थी। उसने किसी भी तरह की पासपोर्ट धोखाधड़ी नहीं की है। कुछ नेता उसे परेशान कर रहे हैं क्योंकि वह राजनीति में आने और आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था।'

पृष्ठभूमिः नीलेश घायवाल पुणे के कुख्यात गैंगस्टरों में से एक माना जाता है। उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और पिछले कुछ महीनों से वह फरार चल रहा है। अब पुणे पुलिस की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की जा रही यह कार्रवाई, इस केस को नई दिशा देती दिख रही है।

एसटी बसों में नशे में वाहन चलाने पर लगेगी लगाम; नई बसों में लगेगा 'ब्रीथ एनालाइज़र' सिस्टम

मुन्ना मुजावर

पुणेः राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक अहम कदम उठाया है। अब एसटी की नई बसों में ड्राइवर के पास 'ब्रीथ एनालाइज़र' उपकरण लगाया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत बस चालकों को वाहन शुरू करने से पहले अनिवार्य रूप से श्वास परीक्षण (Breath Test) देना होगा। यदि परीक्षण में यह पाया गया कि चालक ने शराब का सेवन किया है, तो बस स्वतः शुरू नहीं होगी। इस नई तकनीक को बस खरीद की शर्तों में शामिल किया गया है। इस कदम से नशे में वाहन चलाने की घटनाओं पर प्रभावी रूप से रोक लगेगी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

हर नई बस में 'श्वास विश्लेषक' अनिवार्य

एसटी बस सेवा के माध्यम से प्रतिदिन लाखों यात्री गाँवों और शहरों के बीच यात्रा करते हैं। यह सेवा नागरिकों के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। कुछ मामलों में चालकों द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाने या यात्रियों से दुर्व्यवहार करने की घटनाएँ

सामने आती रही हैं। ऐसी घटनाओं से न केवल दुर्घटनाएँ होती हैं बल्कि यात्रियों की जान को भी खतरा होता है।

प्रशासन समय-समय पर निरीक्षण अभियान चलाकर दोषी चालकों पर कार्रवाई करता रहा है, फिर भी समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। इसी पृष्ठभूमि में एसटी निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने यह नई पहल शुरू की है।

आठ हजार नई बसें होंगी शामिल

राज्य परिवहन निगम के बेड़े में आने वाले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि होने जा रही है। निगम अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने बताया कि अगले पाँच वर्षों में एसटी के बेड़े में कुल 25,000 नई बसें जोड़ने की योजना है। पहले चरण में 8,000 नई बसों की खरीद प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और इन सभी बसों में 'ब्रीथ एनालाइज़र' सिस्टम लगाया जाएगा। वर्तमान में एसटी के पास लगभग 14,000 बसें हैं, जिनमें से 12,500 बसें विभिन्न मार्गों पर सेवाएँ दे रही हैं। नई बसों के शामिल होने से न केवल सुरक्षा बल्कि सेवा की गुणवत्ता में भी सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)